Press Release

TATA POWER-DDL

मंगलवार, 08 जुलाई, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली

टाटा पावर-डीडीएल ने भारत समेत ग्लोबल एनर्जी सेक्टर में फ्यूचर-रेडी टैलेंट तैयार करने के लिए आईआईएम कोझिकोड के साथ हाथ मिलाया

- दोनों संगठनों के बीच पार्टनरशिप में मौजूदा प्रोफेशनल्स की अपस्किलिंग और रीस्किलिंग की व्यवस्था
- डोमेन संबंधी क्षमता-निर्माण प्रोग्राम तैयार किए जाएंगे, साथ ही, एप्लायड रिसर्च के क्षेत्र में पहल

नॉर्थ दिल्ली में लगभग 90 लाख की आबादी के लिए बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझिकोड (IIMK) ने कुशल और फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनल्स की मजबूत पंक्ति तैयार करने के उद्देश्य से हाथ मिलाया है। ये प्रोफेशनल्स भारत समेत ग्लोबल एनर्जी सेक्टर की बदलती आवश्यकताओं तथा चुनौतियों से निपटने में सक्षम होंगे।

इस आशय के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हाल में **श्री प्रवीण अग्रवाल,** चीफ-एचआर, आईआर, फेसिलिटी मैनेजमेंट एंड हेल्थ सर्विसेज़, टाटा पावर-डीडीएल तथा **प्रोफे. देबाशीष चटर्जी, डायरेक्टर, आईआईएम कोझिकोड** ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

इस पार्टनरशिप का उद्देश्य, डोमेन संबंधी क्षमता-निर्माण प्रोग्रामों को तैयार करना, एग्जीक्युटिव एजुकेशन उपलब्ध कराना तथा पावर डिस्ट्रिब्यूशन की बदलती आवश्यकताओं के मद्देनज़र एप्लायड रिसर्च जैसे प्रयासों को मिल-जुलकर आगे बढ़ाना है। साथ ही, इसमें नेशनल और इंटरनेशनल कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्री एकेडमिक वर्कशॉप और अनुभवात्मक स्टडी टूर्स का आयोजन भी शामिल है।

समझौते के तहत् एनर्जी ट्रांजिशन और डीकार्बनाइज़ेशन संबंधी रणनीतियां, स्मार्ट ग्रिड मैनेजमेंट एवं रेजिलिएंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, पावर सेक्टर प्रोफेशनल्स के लिए लीडरशिप डेवलपमेंट, सस्टेनेबिलिटी और ईएसजी इंटीग्रेशन, टेक्नोलॉजी रोडमैप डिजाइन तथा एग्जीक्युशन, एवं संगठनात्मक परिवर्तन प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा। यह पहल इंडस्ट्री प्रेक्टिस और एकेडमिक डिलीवरी के बीच मौजूद दूरियों को करने का प्रयास करेगी, तथा पावर वैल्यू चेन के लिए नवाचार और फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनल्स को भी सुनिश्चित करेगी।

इसके अलावा, यह महत्वपूर्ण पार्टनरशिप, प्रोफेशनल्स की अपस्किलिंग और रीस्किलिंग को भी सपोर्ट करेगी, तथा फैकल्टी एवं कस्टमाइज़्ड ट्रेनिंग मॉड्यूल्स तैयार करने के साथ-साथ पावर डिस्ट्रिब्यूशन क्षेत्र के लिए लीडरशिप और फंक्शनल उत्कृष्टता को भी बढ़ावा देगी।

इस पार्टनरशिप के बारे में, **श्री प्रवीण अग्रवाल,** चीफ-एचआर, आईआर, फेसिलिटी मैनेजमेंट एंड हेल्थ सर्विसेज़, टाटा पावर-डीडीएल ने कहा, *"हम राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईएम-कोझिकोड के साथ हाथ मिलाते हुए खुशी महसूस कर रहे हैं, और इस पार्टनरशिप के जरिए ऐसे प्रोग्रामों को मिल-जुलकर तैयार करने को उत्सुक हैं जो एकेडमिक क्षेत्र की मेहनत को इंडस्ट्री के अनुभवों से जोड़ते हैं। यह पार्टनरशिप ऐसे फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनल्स को तैयार करने में अहम् भूमिका निभाएगी जो न सिर्फ टेक्निकल दृष्टि से दक्ष हैं बल्कि रणनीति के स्तर पर भी जागरूक हैं, जो तेजी से बदल रहे एनर्जी लैंडस्केप में नवाचार और बदलाव को साकार कर सकते हैं।"*

इस पहल को यूटिलिटी ऑपरेशंस, स्मार्ट मीटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन, तथा एनर्जी एवं लागत कुशलता के क्षेत्रों में टाटा पावर-डीडीएल के लंबे अनुभवों और एडवांस मैनेजमेंट एजुकेशन के मामले में आईआईएम-कोझिकोड की ताकत का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर, **प्रोफे. देबाशीष चटर्जी, डायरेक्टर, आईआईएम कोझिकोड** ने कहा, *"इस पार्टनरशिप ने राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्रों को सशक्त बनाने में व्यापक बदलाव लाने वाली लर्निंग के मामले में आईआईएम-कोझिकोड की प्रतिबद्धता दोहरायी है। टाटा पावर-डीडीएल की ऑपरेशन संबंधी उत्कृष्टता और आईआईएम-कोझिकोड की एकेडमिक साख के मेल पर आधारित यह पार्टनरशिप ऐसे कुशल और जिम्मेदार एनर्जी लीडर्स की नई पीढ़ी तैयार करने में मददगार साबित होगी जो भारत समेत दुनिया के अन्य भागों के लिए भी अधिक स्मार्ट और अधिक पर्यावरण अनुकूल भविष्य का निर्माण करेंगे।"*

यह पार्टनरशिप, प्रभावी लर्निंग सॉल्यूशंस के जरिए इनोवेशन, क्षमता निर्माण तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट को लेकर टाटा पावर-डीडीएल और आईआईएम-कोझिकोड की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर के बीच संयुक्त उद्यम है। कंपनी उत्तरी दिल्ली में लगभग 90 लाख की आबादी को बिजली आपूर्ति करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसने उपभोक्ता-केंद्रित व्यवहारों के लिए अपनी साख बनायी है। निजीकरण के बाद से, टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। वर्तमान में, एटीएंडसी नुकसान 5.5% है, जो जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान स्तर की तुलना में इसमें अप्रत्याशित रूप से कमी आई है। टाटा पावर-डीडीएल के बारे में और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

For further information please contact:

Corporate Communications:

John Edwin (9910082270)

Slough PR:

Abhishek Anand (9711061540)